2. राष्ट्रीय आय

- राष्ट्रीय आय लेखांकन का सर्वप्रथम प्रयास 1665 ई. में सर विलियम थेटी ने किया था।
- एडम स्मिथ ने अपनी पुस्तक 'Wealth of Nation' में राष्ट्रीय आय को शुद्ध राजस्व से जोड़ा है।
- साइमन कुजनेट्स को राष्ट्रीय आय के लेखांकन का जनक कहा जाता है। इसके लिए इन्हें अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार भी मिला।
- भारत में सर्वप्रथम राष्ट्रीय आय और प्रतिव्यक्ति आय की गणना का कार्य दादा भाई नौरोजी ने 1868 ई. में अपनी पुस्तक 'पावर्टी एण्ड अनब्रिटिश रूल इन इंडिया' में किया था। इनके अनुसार भारत की प्रतिव्यक्ति आय 20 रुपये प्रति व्यक्ति प्रतिवर्ष थी।
- डॉ. वी.के.आर.वी. राव ने 1925 में प्रथम वैज्ञानिक ढंग से राष्ट्रीय आय की गणना की।
- स्वतंत्रता के पश्चात् राष्ट्रीय आय के आकलन हेतु, अगस्त 1949 ई. में प्रो. पी.सी. महालनोविस की अध्यक्षता में एक 'राष्ट्रीय आय समिति' का गठन किया गया। इस समिति ने 1948-49 को आधार वर्ष मानकर राष्ट्रीय आय की गणना की और 1951 और 1954 के बीच दो रिपोर्ट पेश कीं।
- 1955 से वर्तमान तक राष्ट्रीय आय की गणना का कार्य सी. एस. ओ. (केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन) द्वारा किया जाता है। इस संगठन की स्थापना मई 1951 में की गई थी। यह सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय का एक भाग है।

CSO द्वारा राष्ट्रीय आय की गणना के क्षेत्रक-

- **प्राथमिक क्षेत्र:** कृषि और संबंध क्रियाएं, वानिकी और लट्ठा, मछली पालन, खनन तथा उत्खनन
- **द्वितीयक क्षेत्र:** निर्माण, विद्युत, गैस और जलापूर्ति।

विनिर्माण क्षेत्र → पंजीकृत
विनिर्माण क्षेत्र → गैर-पंजीकृत

- **तृतीयक क्षेत्र:** परिवहन, बीमा, संचार बैंक, सार्वजनिक सेवाएँ इत्यादि।
- **कोर क्षेत्र:** डॉ. सुविमल दत्ता कमेटी (1967) ने अपनी लाइसेंसिंग नीति 1970 को घोषित की। भारत सरकार ने 9 उद्योगों की पहचान की जिसे कोर क्षेत्र की संज्ञा दी गई है। ये निम्नलिखित हैं-
  - कृषि आधारित उद्योग
  - लौह और स्टील उद्योग
  - अलौह उद्योग
  - पेट्रोलियम
  - कोकिंग कोल
  - भारी औद्योगिक मशीन
  - शिप निर्माण
  - समाचार-मुद्रण
  - इलेक्ट्रॉनिक्स

नोट: *कोर क्षेत्र को प्राय: द्वितीयक क्षेत्र या औद्योगिक क्षेत्र में रखा जाता है।*

- **सकल घरेलू उत्पाद** (GDP)- किसी देश की घरेलू सीमा में एक वर्ष से उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का मौद्रिक मूल्य। इसमें विदेशियों द्वारा देश में अर्जित आय को शामिल किया जाता है, किन्तु विदेशों से भारतीयों द्वारा भेजी गई आय सम्मिलित नहीं की जाती है।
- **सकल राष्ट्रीय उत्पाद** (GNP)- किसी देश द्वारा एक वित्तीय वर्ष में उत्पादित समस्त वस्तुओं और सेवाओं के मौद्रिक मूल्य को सकल उत्पाद कहते हैं। इसमें विदेशियों द्वारा देश में अर्जित आय को सम्मिलित नहीं किया जाता है। लेकिन भारतीयों द्वारा विदेश से भेजी गई आय को सम्मिलित किया जाता है।
- **शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद** (NNP)- सकल राष्ट्रीय उत्पाद में से जब उत्पादन में प्रयुक्त मशीनों तथा पूँजी की घिसाट को घटा दिया जाता है, तब उसे शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद कहते हैं।

$$[NNP = GNP - Depriciation]$$

- **राष्ट्रीय आय** (NI)- साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद को राष्ट्रीय आय कहते हैं। NNP में से अप्रत्यक्ष कर को घटा दिया जाता है तथा सब्सिडी को जोड़ दिया जाता है।

$$[NI = NNP - Indirect\ Tax + Subsidy]$$

- **प्रति व्यक्ति आय** (PCI)- कुल राष्ट्रीय आय को कुल जनसंख्या से भाग देने पर प्रति व्यक्ति आय प्राप्त होती है।
- **सकल घरेलू उत्पाद** (GDP)- किसी देश की घरेलू सीमा में एक वर्ष से उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का मौद्रिक मूल्य। इसमें विदेशियों द्वारा देश में अर्जित आय को शामिल किया जाता है, किन्तु विदेशों से भारतीयों द्वारा भेजी

गई आय सम्मिलित नहीं की जाती है।

- **सकल राष्ट्रीय उत्पाद** (GNP)– किसी देश द्वारा एक वित्तीय वर्ष में उत्पादित समस्त वस्तुओं और सेवाओं के मौद्रिक मूल्य को सकल उत्पाद कहते हैं। इसमें विदेशियों द्वारा देश में अर्जित आय को सम्मिलित नहीं किया जाता है। लेकिन भारतीयों द्वारा विदेश से भेजी गई आय को सम्मिलित किया जाता है।
- **शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद** (NNP)– सकल राष्ट्रीय उत्पाद में से जब उत्पादन में प्रयुक्त मशीनों तथा पूँजी की घिसाट को घटा दिया जाता है, तब उसे शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद कहते हैं।

[NNP = GNP – Depriciation]

- **राष्ट्रीय आय** (NI)– साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद को राष्ट्रीय आय कहते हैं। NNP में से अप्रत्यक्ष कर को घटा दिया जाता है तथा सब्सिडी को जोड़ दिया जाता है।

[NI = NNP – Indirect Tax + Subsidy]

- **प्रति व्यक्ति आय** (PCI)– कुल राष्ट्रीय आय को कुल जनसंख्या से भाग देने पर प्रति व्यक्ति आय प्राप्त होती है।
- CSO के अनुसार, प्रति व्यक्ति आय 2010-11 में 52835 रुपए हो गई है।
- 2010-11 के दौरान देश की प्रति व्यक्ति आय में 17.9% वृद्धि दर्ज की गई।
- **वास्तविक राष्ट्रीय आय** (RNI)– किसी भी देश की मुद्रा की क्रय शक्ति में निरंतर परिवर्तन होता रहता है। इसलिए वास्तविक राष्ट्रीय आय की जानकारी हेतु किसी आधार वर्ष के सापेक्ष राष्ट्रीय आय की गणना की जाती है।
- **वास्तविक राष्ट्रीय आय** (RNI)– किसी भी देश की मुद्रा की क्रय शक्ति में निरंतर परिवर्तन होता रहता है। इसलिए वास्तविक राष्ट्रीय आय की जानकारी हेतु किसी आधार वर्ष के सापेक्ष राष्ट्रीय आय की गणना की जाती है।

$$\text{वास्तविक राष्ट्रीय आय} = \frac{\text{प्रचलित कीमतों पर राष्ट्रीय आय}}{\text{चालू वर्ष का मूल्य सूचकांक}} \times 100$$

- **मुक्त व्यापार**- मुक्त व्यापार विश्व बाजार की वह व्यवस्था है जिसके आयात-निर्यात में कोई प्रतिबन्ध नहीं होता है।
- **हीनार्थ प्रबंधन (Budget deficit):** जब सरकार का बजट घाटे का होता है, अर्थात आय कम होती है और व्यय अधिक होता है व्यय के इस आधिक्य को केन्द्रीय बैंक से ऋण लेकर अथवा अतरिक्त पत्र मुद्रा द्वारा पूरा किया जाता है। तो यह व्यवस्था हीनार्थ प्रबन्धन कहलाती है।